भारत सरकार

गृह मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1452

दिनांक 03.05.2016/13 वैशाख, 1938 (शक) को उत्तर के लिए

जासूसी गतिविधियां

1452. श्री नित्यानन्द राय :
श्री जी० हरि :

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पाकिस्तान की आसूचना एजेंसी आई० एस० आई० मोबाइल एप की सहायता से भारतीय सुरक्षा बलों की जासूसी कर रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी भूतपूर्व सैनिकों को जासूसी के लिए उन्हें नौकरियों के अवसर और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए अपने जाल में फंसा रही है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) देश में ऐसी जासूसी गतिविधियों की रोकथाम के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरिभाई परथीभाई चौधरी)

(क) और (ख) : जी, हां। ऐसी रिपोर्टें मिली है जो यह बताती हैं कि पाकिस्तानी आसूचना एजेंसियां टॉप गन (गेम एप), एमपीजुंकी (म्यूजिक एप), बीडीजुंकी (विडियो एप), टॉकिंग फ्रॉग (एंटरटेनमेंट एप) जैसे मोबाइल ऐप्स में मालवेयर भेजकर भारतीय सुरक्षा बलों की जासूसी कर रही है।

(ग) और (घ) : जी, हां। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी रोजगार के अवसर/ वित्तीय सहायता प्रदान करने की आड़ में पूर्व सैनिकों को जासूसी के लिए फंसाने का प्रयास कर रही थी। वर्ष 2013-2016 (आज तक) की अवधि के दौरान, पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी हेतु जासूसी संबंधी गतिविधियों में संलिप्तता के लिए कुल 7 पूर्व सैनिकों को गिरफ्तार किया गया/ उनका पता लगाया गया।

(ङ) : पाकिस्तान के आईएसआई द्वारा स्मार्टफोनों में सदिग्ध एप्लिकेशनों के प्रयोग किए जाने के विषय में भारतीय सुरक्षा बलों को आगाह किया गया है। इसके अलावा, सरकार ने साइबर हमलों को रोकने, उनका पता लगाने तथा उसे समाप्त करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के विषय में सभी मंत्रालयों/ विभागों को कंप्यूटर सुरक्षा नीति एवं दिशानिर्देशों का परिचालन किया है, जिसमें क्रियान्वयन हेतु साइबर हमलों तथा साइबर आतंकवाद से निपटने के लिए सुपारिभाषित संकट प्रबंधन योजना के साथ इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के लिए कर्मचारियों एवं अधिकारियों का सैनिटाइजेशन, सीसीटीवी एवं बायोमैट्रिक सिस्टम लगाना शामिल है।